अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में तीन-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

By **Poonam Sagar** - May 29, 2023

बल्लभगढ़ (नेशनल प्रहरी/ रघुबीर सिंह)। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के पुस्तकालय विभाग द्वारा "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से पुस्तकालयों का सतत विकास" विषय पर तीन-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 27-29 मई 2023 को अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। संगोष्ठी को राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन कोलकता और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित व अनुमोदित किया गया है।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता जी ने की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम से कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार जी रहे। बीज वक्ता प्रोफेसर के.पी.सिंह पुस्तकालय विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली व निदेशक, गांधी भवन, नई दिल्ली से रहे। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एम.पी. सिंह बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से रहे। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर के.पी.सिंह, पुस्तकालय विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली व गांधी भवन, दिल्ली ने की। आमंत्रित वार्ता डॉ. मयंक त्रिवेदी, पुस्तकालय अध्यक्ष, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदरा, गुजरात में की। तकनीकी सत्र दो (अ) की अध्यक्षता डॉ. मयंक त्रिवेदी, पुस्तकालय अध्यक्ष, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदरा, गुजरात में की। इस सत्र में आमंत्रित वार्ता प्रोफेसर दिनेश गुप्ता, पुस्तकालय विभाग, कुरुक्षेत्र व प्रोफेसर एम.पी. सिंह, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) लखनऊ ने की। तकनीकी सत्र दो (ब) जोकि डिजिटल माध्यम से संचालित किया गया जिसकी अध्यक्षता डॉ. सत्यप्रकाश, अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय,नई दिल्ली ने की। तकनीकी सत्र तीन जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर दिनेश गुप्ता पुस्तकालय विभाग, कुरुक्षेत्र महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र और डॉ. रेखा सैन, सहायक प्रवक्ता, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ ने की। आमंत्रित वक्ता डॉ. मनोज शुक्ला, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ रहे।

संगोष्ठी के दूसरे दिन 28 मई 2023 को सत्र-4 (अ) की अध्यक्षता प्रोफेसर एस.के. चक्रवर्ती, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, एनआईटी, कुरुक्षेत्र ने की । आमंत्रित वक्ता प्रोफेसर एस. के. शर्मा, सेवानिवृत्त, सीनियर ऑफिसर, पुस्तकालय विभाग, यूजीसी, नई दिल्ली रहे। द्वितीय वक्ता प्रो. एस. के. सोनकर, पुस्तकालय विभाग, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। इसी सत्र में तृतीय वक्ता मिस्टर मुतेल एमीनो, नाइजीरिया (डिजिटल माध्यम) रहे। सत्र-4 (ब) जो डिजिटल माध्यम से आयोजित किया गया कि अध्यक्षता डॉ. गीता गुप्ता, सह – प्रवक्ता, अंग्रेजी विभाग, अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ ने की। सत्र-5 की अध्यक्षता डॉ. दिनेश गुप्ता, कुरुक्षेत्र महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने की। आमंत्रित वक्ता प्रो.एस.के.चक्रवर्ती, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, एनआईटी, कुरुक्षेत्र रहे। द्वितीय वक्ता डॉ. मनीष, सह-प्रवक्ता, पुस्तकालय विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली रहे।

आज 29 मई 2023 संगोष्ठी के तीसरे व अंतिम दिन सत्र-7 के अध्यक्षता डॉक्टर कृष्णकांत गुप्ता,प्राचार्य,अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ व डॉ. लक्ष्मी गुप्ता, सह- प्रवक्ता, सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल ने की। इस सत्र में आमंत्रित वक्ता प्रोफेसर आर.के.भट्ट, पुस्तकालय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली से रहे। उन्होंने आजादी का

अमृत महत्व और स्कूल पुस्तकालय विषय पर वार्ता की। सत्र -8 की अध्यक्षता प्रोफेसर आर.के.भट्ट,पुस्तकालय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय,दिल्ली ने की। इस सत्र में आमंत्रित वक्ता डॉ. प्रोजेश राय, संयुक्त निदेशक, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली से रहे। इन्होंने प्राचीन ऋषि मुनि द्वारा लिखित अनेक वैदिक उद्धरणों का साक्ष्य देते हुए तकनीकी को अपनाने के साथ-साथ अपना काम करने पर जोर दिया। इसी सत्र में द्वितीय आमंत्रित वक्ता मिस्टर निकेश नारायण, जायेद विश्वविद्यालय, यूएई, दुबई से रहे। सत्र-9 की अध्यक्षता डॉ. प्रोजेश राय, संयुक्त निदेशक, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने की। आमंत्रित वक्ता डॉ.एन.के.बार, सेवानिवृत्त निदेशक, पुस्तकालय विभाग, संस्कृति मंत्रालय रहे। इन्होंने भारतवर्ष में प्रचलित पुरातन विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों का इतिहास साझा किया।

तदनंतर संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने की। उन्होंने संगोष्ठी के सफल आयोजन पर संपूर्ण टीम को बधाई देते हुए भविष्य में इस तरह की संगोष्ठी में सहायता देने का आश्वासन दिया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर यू.सी.शर्मा, पुस्तकालय विभाग, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा से रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि पुस्तकालयों के बिना विकास संभव नहीं है आधुनिकरण चाहे कितना भी हो लेकिन नींव पुस्तकालय ही कहलाए जाएंगे। संगोष्ठी का सारांश संगोष्ठी आयोजन सह-सचिव डॉ. सचिन गर्ग द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों द्वारा फीडबैक लिया गया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी संयोजक डॉ. रामचंद ने किया। मंच संचालन संगोष्ठी सह- संयोजिका डॉ. गीता गुप्ता ने किया। इस अवसर पर एडिटिंग पुस्तक प्रकाशित की गई जिसका शीर्षक है National Education Policy 2020 Indian Prosperity and Global Outlook in Higher Education (Series-II) जो डॉ. कृष्णकांत गुप्ता और डॉ. रामचंद द्वारा संपादित की गई। त्रि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत,नाइजीरिया, केन्या, दुबई, सिंगापुर इत्यादि से आमंत्रित वक्ता और शोधार्थियों ने लगभग 82 पत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में देश- विदेश से 140 पंजीकरण कराया। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, राजस्थान इत्यादि भारत के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागी उपस्थित रहे। डिजिटल माध्यम से लगभग 65 और 85 शारीरिक रूप से उपस्थित रहे। संगोष्ठी को सफल बनाने में संगोष्ठी संयोजक डॉ. रामचंद, सह-संयोजिका डॉ. गीता गुप्ता, आयोजन सचिव डॉ. सारिका कंजालिया, आयोजन सह- सचिव डॉ. सचिन गर्ग, विभिन्न सत्र संचालक, डॉ. के.एल. कौशिक, डॉ. मनोज शुक्ला, डॉ.नरेश कामरा, डॉ. जयपाल सिंह, डॉ. रेखा सैन, मिस्टर सुभाष, डॉ. जगबीर, डॉ. विनीत, मिस्टर लवकेश इत्यादि का विशेष योगदान रहा।